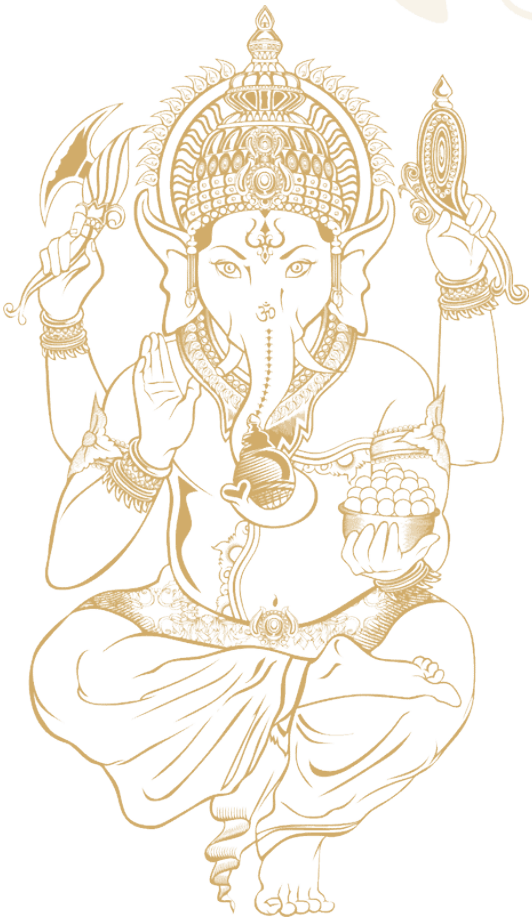

Amit

Yacika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120532601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120532601 Date: 13/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/12/1995	जन्म तिथि	14/01/1999
रवि-सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 06:10:00	जन्म समय	19:54:00 घंटे
घटी 57:20:07	जन्म समय(घटी)	31:07:37 घटी
India	देश	India
Sirohi	स्थान	Mumbai
25:53:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
72:58:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:08	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:13:57	सूर्योदय	07:14:51
17:47:45	सूर्यास्त	18:20:26
23:48:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:27
वृश्चिक	लग्न	कर्क
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कर्क	राशि	वृश्चिक
चन्द्र	राशि-स्वामी	मंगल
पुष्य	नक्षत्र	ज्येष्ठा
शनि	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	3
ब्रह्म	योग	वृद्धि
बालव	करण	गर
हे-हेमन्त	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
मेष	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 12वर्ष 7मा 11दि		09:47:15	वृश्चि	लग्न	कर्क	21:50:45	बुध 6वर्ष 7मा 8दि	
केतु		24:40:50	वृश्चि	सूर्य	मक	00:07:22	शुक्र	
23/07/2025		07:48:49	कर्क	चंद्र	वृश्चि	24:49:10	23/08/2012	
23/07/2032		14:09:06	धनु	मंगल	तुला	01:00:56	23/08/2032	
केतु	19/12/2025	04:29:28	धनु	बुध	धनु	17:26:44	शुक्र	23/12/2015
शुक्र	18/02/2027	00:53:57	धनु	गुरु	मीन	00:17:36	सूर्य	22/12/2016
सूर्य	26/06/2027	22:54:36	धनु	शुक्र	मक	18:34:29	चन्द्र	23/08/2018
चन्द्र	25/01/2028	24:31:17	कुंभ	शनि	मेष	03:09:42	मंगल	23/10/2019
मंगल	22/06/2028	01:04:50	तुला व	राहु व	कर्क	28:34:30	राहु	23/10/2022
राहु	11/07/2029	01:04:50	मेष व	केतु व	मक	28:34:30	गुरु	23/06/2025
गुरु	17/06/2030	04:26:26	मक	हर्ष	मक	17:51:17	शनि	23/08/2028
शनि	26/07/2031	00:08:40	मक	नेप	मक	07:43:14	बुध	24/06/2031
बुध	23/07/2032	07:23:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:43:03	केतु	23/08/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:08 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:27

लग्न-चलित

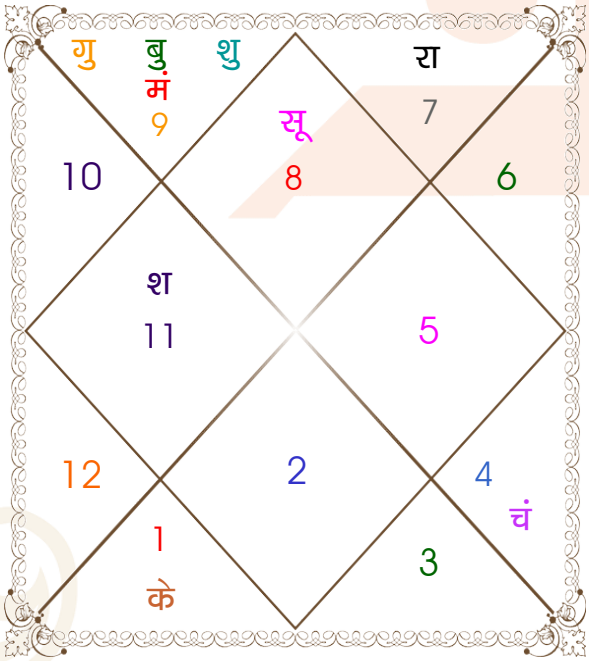

लग्न-चलित

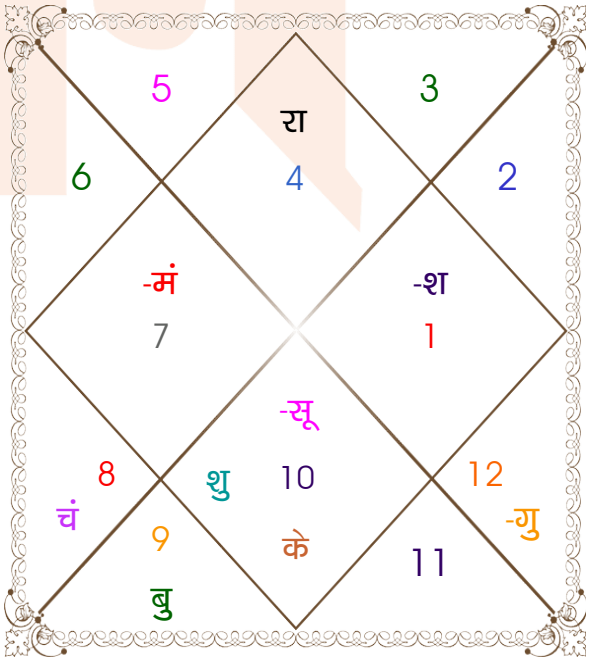

Astronomics
Mumbai / U.A.E.
76653 53667 / 80039 96670
vikram9780@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

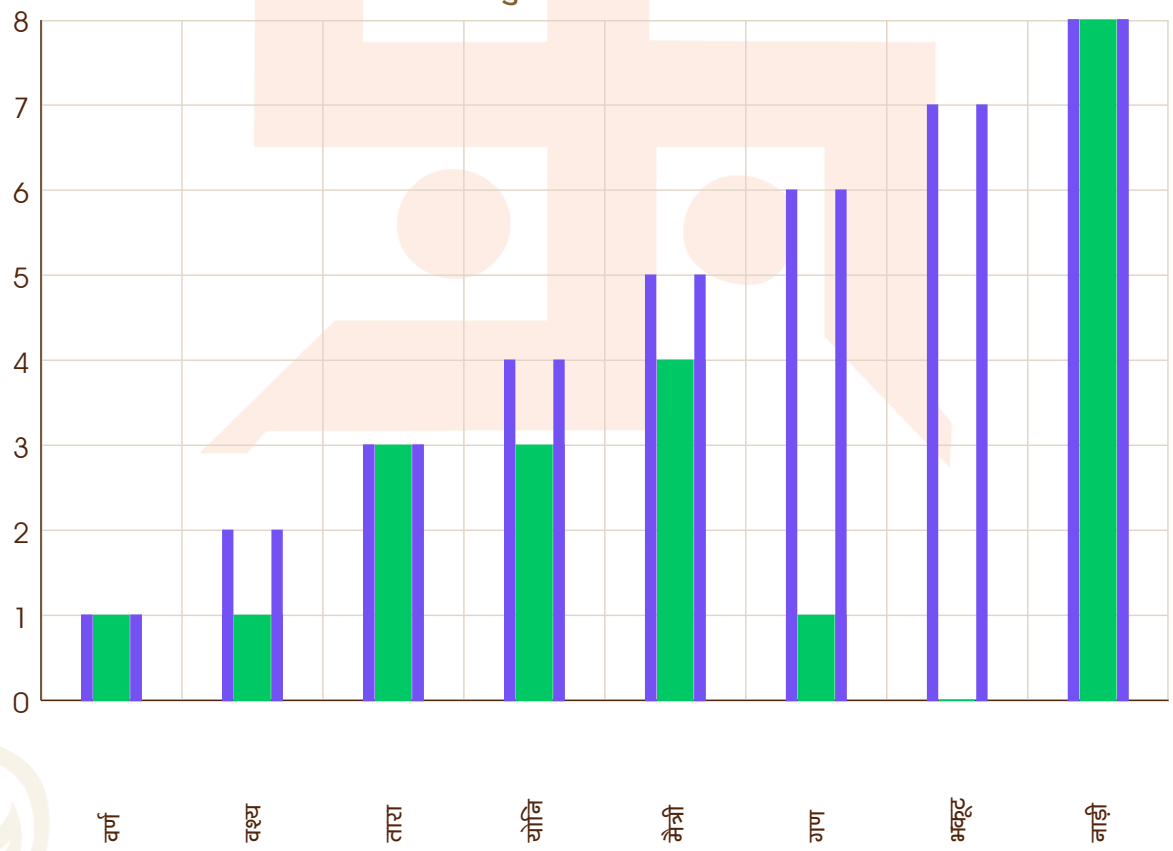

Astronomics
Mumbai / U.A.E.
76653 53667 / 80039 96670
vikram9780@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Amit का वर्ग मेष है तथा Yacika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Amit और Yacika का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Amit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Yacika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Amit कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Amit तथा Yacika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Amit का वर्ण ब्राह्मण तथा Yacika का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Amit का वश्य जलचर है एवं Yacika का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट वश्य न तो एक-दूसरे के मित्र होते हैं और न ही शत्रु होते हैं। अर्थात दोनों एक-दूसरे के प्रति सम होते हैं। जलचर Amit एवं कीट Yacika के बीच वैवाहिक संबंध होने पर दोनों के बीच उदासीनता के साथ-साथ प्रेम का अभाव भी बना रहेगा जिससे जीवन बिल्कुल नीरस हो सकता है। अधिकतर समय दोनों एक-दूसरे के बीच समझौता करके अपना जीवन यापन करते रहेंगे किंतु समय-समय पर जैसे डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है। उसी प्रकार Amit को हमेशा सावधान रहना पड़ेगा अन्यथा उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

तारा

Amit की तारा अतिमित्र तथा Yacika की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Amit हमेशा Yacika के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Amit की योनि मेष है तथा Yacika की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी

मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Amit का राशि स्वामी Yacika के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Yacika का राशिस्वामी Amit के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Amit का गण देव तथा Yacika का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Yacika निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Yacika की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Amit से Yacika की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा Yacika से Amit की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण Yacika को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Amit की नाड़ी मध्य है तथा Yacika की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के

अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Amit की राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा Yacika की राशि भी जलतत्व युक्त वृश्चिक है । दोनों जलतत्व होने के कारण इनमें स्वाभाविक समानता रहेगी तथा एक दूसरे को समझने तथा सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे फलतः मिलान अच्छा रहेगा।

Amit की राशि का स्वामी चन्द्र तथा Yacika की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यद्यपि Yacika यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी परन्तु Amit सदैव सामंजस्य करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता में वृद्धि होगी तथा जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Amit और Yacika की राशियां परस्पर पंचम-नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Amit और Yacika के मध्य यदा कदा अंहकार का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबधों में कटुता आएगी तथा परस्पर विवाद एवं विरोध भी रहेगा। ऐसी स्थिति में यदि Amit और Yacika बुद्धिमता एवं सामंजस्य का परिचय दें तो उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आ सकती है जिससे वैवाहिक जीवन आनंदमय हो सकता है।

Amit का वश्य जलचर एवं Yacika का वश्य कीट है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं जलचर में समता तथा मित्रता होती है। अतः इनकी अभिरूचियां समान होगी एवं शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेगी। साथ ही एक दूसरे की काम भावनाओं को शांत तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपसी संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी।

Amit और Yacika दोनों का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान रहेगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवं शास्त्रीय विषयों की अध्ययन के प्रति रूचि रहेगी। फलतः कार्य क्षेत्र में स्वपरिश्रम एवं बुद्धि से उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

Amit का जन्म अतिमित्र तथा Yacika का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Yacika एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Yacika के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार Amit और Yacika आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Amit और Yacika को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ

होंगे।

स्वास्थ्य

Amit की नाड़ी मध्य तथा Yacika की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Amit रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Amit को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Amit और Yacika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Amit और Yacika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Yacika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Yacika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Yacika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Amit और Yacika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Amit और Yacika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Yacika के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Yacika सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Yacika को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Yacika धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Yacika

के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Yacika ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Amit के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Amit अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Amit का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Amit का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Amit तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Amit के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।